महत्वपूर्ण एवं खास

तुर्रीकटरा में हाथियों ने मचाया उत्पात

कोरबा (आरएनएस)। काफी दिनों की राहत के बाद करतला वन परिक्षेत्र में एक दंतैल हाथी की दस्तक हो गई है। कुदमुरा के रास्ते आयी बड़ी काया वाले इस दंतैल को ग्रामीणों ने आज तुर्रीकटरा के जंगल के कक्ष क्रमांक की 1148 में विचरण करते हुए देखा और इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। जिस पर वन अमले ने तत्काल मौके पर पहुंचकर दंतैल की निगरानी शुरू कर दी है। हालांकि दंतैल द्वारा अभी कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। लेकिन उत्पात की संभावना को देखते हुए सतर्कता बरती जा रही है। वन विभाग ने क्षेत्र में मुनादी कराने के साथ ही ग्रामीणों को दंतैल की मौजूदगी वाले जंगल की ओर न जाने की सलाह दी है।

40 लाख के ईनामी हरिभूषण व महिला नक्सली कमांडर की हुई कोरोना से मौत

जगदलपुर (आरएनएस)। नक्सली कमांडर हरिभूषण और महिला नक्सली कमांडर भारतक्का की मौत की पुष्टि नक्सलियों के द्वारा दोनों की तस्वीरें जारी कर यह जानकारी प्रेस नोट में दी है। हरिभूषण छत्तीसगढ़ के में 22 से अधिक नक्सली घटनाओं में शामिल रहा है। हरिभूषण बीजापुर-सुकमा जिले के पामेड़ इलाके के साथ ही सीमावर्ती क्षेत्र के मिनागुरम-भट्टीगुडम-जवगट्टा गांव के जंगलों में सक्रिय था, उसकी मौत यही हुई है। हरिभूषण के सर पर 40 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस ने कोरोना से मौत होने का दावा किया था, लेकिन नक्सलियों ने कोरोना वायरस होने की बात से इंकार किया है। नक्सलियों के द्वारा जारी प्रेस नोट में हरिभूषण तेलंगाना राज्य समिति के सचिव और केंद्रीय समिति का सदस्य होना बताया है। नक्सली हरि भूषण उर्फ यापा नारायण तेलंगाना के महबूबाबाद जिले के कोझागुडा क्षेत्र के मारिगुडा गांव का निवासी था। 1995 में पीपुल्स वार गुरिल्ला में शामिल हुआ था, इसके बाद से पिछले कई वर्षों से बस्तर के बीजापुर जिले के पामेड़ इलाके में सक्रिय था। नक्सलियों से पहले दंतेवाड़ा एसपी डॉ.अभिषेक पल्लव और तेलंगाना के कोतागुडम एसपी सुनील दत्त ने भी हरिभूषण की मौत की पुष्टि की थी।

चालू खरीफ सीजन में राज्य में एक लाख पोषण बाड़ियां होंगी विकसित

रायपुर (आरएनएस)। चालू खरीफ सीजन में उद्यानिकी विभाग द्वारा राज्य में एक लाख पोषण बाड़ियां विकसित किए जाने को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। इन बाड़ियों के विकास के लिए उद्यानिकी विभाग के मैदानी अमले द्वारा हितग्राहियों का चयन गौठान विकास हेतु चिन्हित ग्रामों में कलस्टर के रूप में किया जा चुका है। चयनित हितग्राहियों को पोषण बाड़ी विकास योजना के तहत फलदार पौधे, विभिन्न प्रकार के सब्जियों के बीज उद्यानिकी विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। उद्यानिकी विभाग के नर्सरियों में बड़े पैमाने पर नींबू, अमरूद कटहल, मुनगा आदि के पौधे तैयार किए गए हैं, जिसमें से लगभग 15 लाख पौधों का वितरण पोषण बाड़ी विकास योजना के तहत लाभान्वित हितग्राहियों को रोपण के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। यहां यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार की नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी कार्यक्रम के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग द्वारा कृषकों के निवास के समीप उपलब्ध होंगे और बाड़ी विकास का कार्य पोषण बाड़ी विकास योजना के तहत किया जा रहा है। राज्य में बीते दो सालों में इस योजना के तहत ग्रामीण किसानों के आवास के समीप स्थित भूमि में दो लाख बाड़ियों का विकास किया जा चुका है, जिससे ग्रामीण अंचल में सब्जी के उत्पादन को बढ़ावा मिला है। इस साल एक लाख बाड़ी और विकसित होंगी। बाड़ी विकास योजनांतर्गत प्रति बाड़ी एक हजार रूपए का प्रावधान किया गया है। जिसमें से खरीफमौसम में 346 रूपए मूल्य के फलदार पौधे एवं 250 रूपए मूल्य के सब्जी बीज हितग्राहियों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

सभी के सहयोग से सफल होगा महा टीकाकरण अभियान-कलेक्टर

» 26 जून के टीकाकरण अभियान के संबंध में कलेक्टर सिंह ने जिले के सभी गांवों के जनप्रतिनिधियों से किया वर्चुअल संवाद

» शत-प्रतिशत टीकाकृत गांवों को जिला स्तर पर किया जायेगा सम्मानित

रायगढ़ । कोविड की संभावित तीसरी लहर से पहले पूरे जिले को पूर्ण टीकाकृत करना है। इसके लिये हर गांव में 18 साल से अधिक लोगों का टीका लगवाया जाना है। जिसमें सभी जनप्रतिनिधियों व स्थानीय अमले को अपने गांव वालों को टीकाकरण के लिये प्रेरित करना है। तभी हम जिले को अगली लहर से सुरक्षित रख पायेंगे। उक्त बातें कलेक्टर भीम सिंह ने आज जिले के सभी सरपंचों, सचिव व ग्राम स्तरीय कर्मचारियों की वर्चुअल बैठक में कही। सीईओ जिला पंचायत डॉ.रवि मित्तल भी बैठक में सम्मिलित हुये।

कलेक्टर भीम सिंह ने जिले में कोरोना टीकाकरण अभियान को गति देने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कहा कि कोरोना से बचाव के लिये टीकाकरण आज सबसे महत्वपूर्ण उपाय है। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, इजराइल जैसे देशों का उदाहरण देते हुये बताया कि वहां बड़ी आबादी को कोरोना के दोनो डोज लगाये जा चुके है। जिससे वहां लोगों को मास्क पहनने की भी आवश्यकता नहीं पड़ रही है। यह दिखलाता है कि जितनी जल्दी हम टीकाकरण पूरा करेंगे उतनी जल्दी हम पुराने जीवन शैली में लौट सकेंगे।

उन्होंने कहा कि अगले एक माह में जिले को पूर्ण टीकाकृत बनाना है। इसके लिये आगामी शनिवार 26 जून को जिले में महा टीकाकरण अभियान चलाया जायेगा। जिसमें एक दिन में 75 हजार लोगों को टीका लगेगा। इसके लिये जिला प्रशासन द्वारा सभी इंतजाम किये जा रहे है। ग्राम स्तर पर टीकाकरण के लिये शेष हितग्राहियों को टीका लगवाने के लिये जागरूक व प्रेरित करने व केन्द्र तक लाने में आप सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि लोगों को जल्द से जल्द से टीका लगवाने के लिये प्रोत्साहित करें। जो लोग भ्रांतियों के चक्कर में टीका नहीं लगवा रहे है उन्हें बताये कि देश में 30 करोड़ से अधिक लोगों ने टीका लगवा लिया है। इससे किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से आने के बाद इससे निजात पाने के लिये वैज्ञानिकों ने दिनरात मेहनत कर टीका तैयार किया है, तो हमें भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुये टीका लगवाकर संक्रमण को खत्म करना है।

❑ शत-प्रतिशत टीकाकृत गांवों के जन प्रतिनिधि व मैदानी अमले को मिली सराहना- कलेक्टर सिंह ने इस दौरान शत-प्रतिशत टीकाकृत हुये गांव के सरपंचों से उनकी टीकाकरण को लेकर रणनीति के बारे में बात की तथा उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत टीकाकृत गांव को जिला स्तर पर सम्मानित किया जायेगा। इस दौरान उन्होंने सारंगढ़ विकासखण्ड के टिमरलगा व बायरडी, पुसौर के बिंजकोट व तुरंगा, लैलूंगा के कटकलिया, रायगढ़ के नौरंगपुर, जामगांव व कांदुरपाली के सरपंचों से बात कर उनके द्वारा लोगों को टीकाकरण के लिये राजी करने व लोगों के बीच व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने के लिये अपनाये तरीकों को जाना। नौरंगपुर के सरपंच पद्म लोचन पटेल ने बताया कि उन्होंने गांव में सभी से संपर्क किया, जो लोग टीकाकरण से गर्भधारण नहीं कर पाने की बात कर रहे थे। उनसे ऐसे लोगों का नाम मांगा गया तो वे बता नहीं सकें, वहीं हमने कहा कि टीका लगवाने के बाद भी महिलायें गर्भवती हुई है। ऐसे उदाहरण हमारे पास है। जिसके बाद लोग टीकाकरण के लिये धीरे-धीरे राजी होते गये। वहीं जामगांव की सचिव ने बताया कि लोग कहते थे कि टीका लगवाने से कही हमारी मृत्यु तो नहीं हो जायेगी। तो हमने उन्हें कहा कि हमें खुद टीका लगवाये तीन महीने हो चुके है। हमें कुछ नहीं हुआ। देश में लोगों ने टीका लगवा लिया है। टीका लगवाने से हल्का बुखार हो सकता है लेकिन इससे कोई गंभीर समस्या नहीं होगी। जिसे लोगों ने समझा और टीकाकरण की रफ्तार बढ़ी। वहीं कटकलिया की स्व-सहायता समूह की महिला ने बताया कि हमने लोगों को समझाईश दी कि टीके को इतनी मेहनत से लोगों की जान बचाने के लिये तैयार किया गया है। शासन द्वारा निःशुल्क आपके गांव तक पहुंचकर टीका लगवाया जा रहा है। इससे अच्छी बात और क्या होगी। जल्द से जल्द इसका लाभ लें जिससे संभावित तीसरी लहर से खुद को बचाया जा सके। कलेक्टर सिंह ने सभी के प्रयासों की सराहना की और दूसरे पंचायतों को इन उपायों को अपनाने के लिये कहा। इस दौरान उन्होंने कम टीकाकरण वाले पंचायत प्रतिनिधियों से बात कर वहां की समस्यायें जानी। उन्होंने सभी से लोगों को लगातार जागरूक करने की अपील की। साथ ही गलत या भ्रामक जानकारी फैलाने वालों की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को देने के लिये कहा जिससे उसके ऊपर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सके।

रिहायशी इलाके में घुसा भालू, वन विभाग की टीम मौके पर

राजनांदगांव (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के मोहरा इलाके के बस्ती में आज सुबह जंगल से भटक कर एक भालू रिहायशी इलाके में घुस गया, जिसके बाद इलाके के लोगो मे हड़कंप मच गया है, सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुच गई है। मिली जानकारी के अनुसार म मोहरा वार्ड के बजरंग नगर में भालू देखे जाने की लोगों ने पुष्टि की ,मामला आज सुबह 6:30 बजे की है, देखते ही देखते लोगो की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। भीड़ के कारण घबराए भालू बस्ती के एक घर से निकलकर वहां स्थित एक राइसमिल मे जा छिपा है, जिसे निकालने के लिए स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद हैं, वन विभाग की टीम भालू को ट्रेंकुलाइज करने के बाद उसे जंगल मे छोड़ने की बात कह रहा है।

रानी दुर्गावती का प्रशासन भारतीय इतिहास का एक स्वर्णिम अध्यायः राज्यपाल

» रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार में शामिल हुई राज्यपाल

रायपुर (आरएनएस)। रानी दुर्गावती भारतीय इतिहास की ऐसी वीरांगना थी, जिन्होंने अपने जीवन में काफी संघर्ष किया और राज्य की रक्षा के लिए कई लड़ाइयां भी लड़ीं और फिर मुगलों से युद्ध कर वीरगति को प्राप्त हुईं। उनके शासन काल में गोंडवाना राज्य एक समृद्ध और खुशहाल राज्य था। रानी दुर्गावती का प्रशासन भारतीय इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय माना जाता है। यह बात राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने आज वन साहित्य अकादमी एवं कृष्ण राव सप्रे शोध संस्थान द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए कही।

राज्यपाल ने वीरांगना रानी दुर्गावती को उनके बलिदान दिवस पर नमन करते हुए कहा कि रानी दुर्गावती ने अपने 15 साल के शासन काल में एक कुशल शासिका के रूप में अपनी प्रजा की भलाई के लिए भी कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। वर्तमान जबलपुर उनके राज्य का केन्द्र था। भारतीय इतिहास में जब कभी भी किसी वीरांगना के शौर्य और वीरता की बात की जाती है तो रानी दुर्गावती का नाम अग्रणी रूप से लिया जाता है। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती ने अपने राज्य में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए नई सड़कों का निर्माण एवं पर्यावरण की रक्षा के लिए हरे पेड़-पौधे एवं बाग बगीचे लगवाए साथ ही पानी की उचित व्यवस्था के लिए जगह-जगह कुंए, बावड़ियां आदि खुदवाए एवं मंदिरों भवनों और धर्मशालाओं का निर्माण करवाया।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय के प्राशासनिक भवन के मुख्य द्वार का नाम संत कबीर द्वार रखा गया, मुख्यमंत्री मंत्री भूपेश बघेल ने किया नामकरण

» 'संत कबीर का छत्तीसगढ़'' पुस्तक का किया विमोचन

रायपुर (आरएनएस)। संत कबीर दास जयंती के अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का नामकरण एवं संत कबीर का छत्तीसगढ़ विषय पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने ऑनलाइन उपस्थित होकर किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि संत कबीर की महिमा छत्तीसगढ़ के कण-कण में व्याप्त है। संत कबीर प्रेम, सामाजिक समरता और मानवता के कवि थे, वे एक समाज सुधारक भी थे, जिन्होंने सामाजिक कुरीतियों पर कठोरता से प्रहार किया। उनको मानने वाले हर जाति, हर धर्म के लोग हैं। उन्होंने कहा कि संत कबीर 650 साल पहले आये थे, लेकिन उनके

संदेश आज भी समसामयिक हैं। उनकी वाणी को अपने जीवन में उतारने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कबीर विकास संचार अध्ययन केंद्र द्वारा संत कबीर जयंती के अवसर पर अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस कार्यक्रम में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जन संचार विश्वविद्यालय रायपुर के प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वार का नामकरण संत कबीर के नाम पर किया। इस अवसर पर उन्होंने कबीर विकास संचार अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में ''संत कबीर का छत्तीसगढ़'' पुस्तक का विमोचन भी किया। इस पुस्तक के सम्पादक कबीर विकास संचार अध्ययन केन्द्र के अध्यक्ष कुणाल शुक्ला और डॉ. सुधीर शर्मा हैं।

कार्यक्रम के शुरूआत में मुख्यमंत्री बघेल सहित अतिथियों ने संत कबीर साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि संत कबीर और छत्तीसगढ़ का चोली-दामन का साथ है। अमरकंटक के कबीर चबूतरा में संत कबीर और गुरू नानक देव जी की भेंट हुई थी। संत कबीर के संदेश प्रदेश के गांव-गांव में व्याप्त हैं।

नौकरी लगाने का झांसा देकर तीन लड़कों से लाखों की ठगी, आरक्षक दंपति के खिलाफ मामला दर्ज

धमतरी (आरएनएस)। धमतरी जिले के भखारा क्षेत्र में महिला आरक्षक दंपति ने तीन लड़कों को पुलिस में नौकरी लगाने का झांसा देकर 5 लाख रुपये ठगी कर लिया। मामले की रिपोर्ट भखारा थाने में दर्ज करायी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम हलचलपुर थाना भखारा धमतरी निवासी महादेव गजपाल 62 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि प्रार्थी के गांव की लड़की गौरी बंजारे एवं उसका पति जो वर्तमान में रायपुर पुलिस विभाग में आरक्षक है व उसके पति गुरुंग ने पुलिस विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर दीपक कुमार,दुलेश्वर व उपेन्द्र कुमार को बड़े नेताओं व अधिकारियों से परिचय है कहकर 2-2 लाख रुपये की मांग किया। जिसके बाद तीनों लड़के के परिजन दंपति की बातों में आकर 10 अक्टूबर 2018 को 3 लाख रुपये नगद व 2 लाख रुपये की चेक दिया। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि गौरी व उसके पति गुरुंग बंजारे ने नौकरी लगाने के नाम पर उनसे 5 लाख रुपये की ठगी किया है। मामले की शिकायत पर दंपति के खिलाफ भखारा थाने में पुलिस ने धारा 420,34 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

राजधानी में अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरोह पकड़ाया, 7 गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरोह को पकड़ने में कामयाबी हासिल की। एक क्विंटल गांजा और दो चार पहिया वाहनों के साथ 07 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों में 02 छत्तीसगढ़ के और 05 उड़ीसा के रहने वाले है।

पुलिस अधिकारियों ने आज इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि सायबर सेल एवं थाना मंदिर हसौद पुलिस की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्तियों द्वारा 02 नग चारपहिया वाहन में उड़ीसा से गांजा लाया जाकर तस्करी की जा रही है। इसी दौरान टीम के सदस्यों द्वारा वाहनों को आता देख रूकवाने का प्रयास किया गया परंतु वाहनों के चालकों द्वारा वाहनों न रोकते हुये और भी तेज गति से चलाया जाने लगा, जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा अपने वाहनों से पीछा व घेराबंदी करते हुये अंततः दोनों वाहनों एवं उसमें सवार व्यक्तियों को थाना मंदिर हसौद क्षेत्रांतर्गत एफसी.आई. गेट के सामने पकड़ने में सफलता मिली। दोनों वाहनों में कुल 07 लोग बैठे थे। टीम के सदस्यों द्वारा दोनों वाहनों की तलाशी लेने पर वाहन में प्लास्टिक की अलग-अलग पैकेटों में गांजा रखा होना पाया गया। जिस पर सभी आरोपियों के कब्जे से कुल 01 क्विंटल गांजा बरामद किया गया जिसकी कीमत लगभग 07 लाख रूपये आंकी गयी है। पुलिस ने गांजा तस्करी में प्रयुक्त बोलेरो पिकअप वाहन क्रमांक सी जी/04/जे डी/8048 एवं अर्टिका कार क्रमांक ओ डी/17/क्यू/3256 कीमती लगभग 13 लाख रूपये जुमला कीमती 20 लाख रूपये जप्त किया गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा गांजा को उड़ीसा से लाकर मध्य प्रदेश तस्करी करना बताया गया। गिरफ्तार किये गये आरोपियों में संतोष पिता रोमलाल पाल 35 साल निवासी गांधी ग्राम नकटा थाना चारामा जिला कांकेर, भरत पिता हरेद गुप्ता 22 साल निवासी भिलाई कैम्प सड़क नंबर 01 नेहरू नगर चौक जिला दुर्ग, त्रिलोचन पिता चेतन बाघ उम्र 50 साल निवासी पदमपुर राजापारा थाना पदमपुर जिला बरगढ़ उड़ीसा, लक्ष्यपति पिता शौकी लाल साहू 36 साल निवासी केदुभाठ थाना गाईसिलर जिला बरगढ़ उड़ीसा, लक्ष्मीकांत पिता कृपानिधि मोहरे 28 साल निवासी भेलवापदर थाना गाईसिलर जिला बरगढ़ उड़ीसा, सदानंद पिता बैगनू भोई 32 साल निवासी अएलपाली थाना लोयसिघा जिला बलांगीर उड़ीसा एवं लुरपराज पिता मधु प्रधान 26 साल निवासी अएलपाली थाना लोयसिघा जिला बलांगीर उड़ीसा शामिल है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं संस्थापक श्री लीलाल साहू, श्रीमती ... अधिवक्ता, मानवीय उच्च न्यायालय, एवं गवर्निंग बॉडी के सदस्यों कुछ सी.बी.शर्मा, श्रीमती ... श्रीमती रजनी ... इस संघ के द्वारा ... समाज की ... में ... है, इस लिखित में ... के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। ... संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके ... संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध ...

मुख्य बिन्दु प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संस्थानों की ... संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- ...
- ...
- ...
- ...

पढ़िए ... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

बिहान योजना से जुड़ी महिलाओं ने मछली पालन से कमाया बढ़िया मुनाफा

रायगढ़ । कभी ये ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं घर पर रहा करती थी और अपने हर आवश्यकता के लिए अपने परिवार के मुखिया पर निर्भर रहती थी। घर का चूल्हा चौका और परिवार के बीच इस तरह फंसी रही कि वह अपने लिए कुछ सोच ही नहीं सकती थी, लेकिन अब धीरे-धीरे समय बदल रहा है। आज ये महिलाएं ऊंची उड़ान के लिए तैयार हैं। बिहान योजना से जुड़कर वे गांव में रहकर ही मछली पालन का व्यवसाय किया और अच्छा मुनाफा कमाकर आर्थिक रूप से सबल बन रही है। इस व्यवसाय से जुड़कर उन्होंने अपनी इच्छायें तो पूरी की साथ ही परिवार के लिये भी मददगार बनी। आज उनकी इस मेहनत को देखकर आसपास अन्य गांव की महिलायें भी प्रेरित होकर आजीविका गतिविधि से जुड़ रही है।

उल्लेखनीय है कि जनपद पंचायत पुसौर के ग्राम रनभाठा की सरस्वती महिला स्व-सहायता समूह बिहान योजना से जुड़ कर वर्तमान में मछली पालन का कार्य कर रही है। 10 महिलाओं के समूह ने विगत 4 सालों से मछली पालन का कार्य प्रारंभ किया। समूह की महिलाओं ने 6 हेक्टेयर का तालाब ग्राम पंचायत के माध्यम से लीज में लिया था और प्रतिवर्ष मछली पालन का कार्य करते आ रहे है। जिससे उन्होंने अच्छा लाभ कमाया है। इस वर्ष 9 क्विंटल मछली तालाब से निकाले थे, जिसे प्रति किलो 120 रूपये की दर से बिक्री किये इस तरह से समूह को 1.08 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। जिसकी लागत 25 हजार रुपये था। उनके इस कार्य में मत्स्य विभाग का भी सहयोग रहा। इससे इस समूह के महिलाओं को अच्छी आय प्राप्त हो रही है।